संस्कृत–समवाय

संस्कृत–समवाय पीजीडीएवी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की अकादमिक परिषद् है, जिसके तत्वावधान में 20 सितंबर 2019 को वेद व्याख्यान मञ्जरी श्रृंखला के अंतर्गत नाट्यशास्त्र की वेदमूलकता विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में दिल्ली विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मीरा द्विवेदी ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि आचार्य धनञ्जय ने दशरूपक में कहा है– 'अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्'। अर्थात् अवस्थाओं का अनुकरण ही नाटक है। उन्होंने कहा कि नाट्यशास्त्र को पञ्चम वेद भी कहा जाता है। एक कथा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सभी देवता भगवान इन्द्र के नेतृत्व में ब्रह्मा जी के पास गए और उनसे निवेदन किया कि मनोरंजन के लिए कोई व्यवस्था कीजिए तो ब्रह्मा जी ने ऋग्वेद से पाठ्य सामग्री, यजुर्वेद से अभिनय, सामवेद से संगीत और अथर्ववेद से रस को लेकर नाट्यशास्त्र नामक पञ्चम वेद की रचना की और मृत्युलोक में प्रचार–प्रसार के लिए आचार्य भरत को प्रभारी बना दिया। संस्कृत नाट्यशास्त्र में वस्तु (कथा), नेता (नायक) तथा रस नाटक के प्रधान तत्व माने गए हैं। छात्रों को समझाते हुए उन्होंने कहा कि संस्कृत नाटक की कथावस्तु ऐतिहासिक या पौराणिक ही होगी, काल्पनिक नहीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा ने कहा कि हम सब का सौभाग्य है कि डॉ. मीरा द्विवेदी मैम हमारे आग्रह पर महाविद्यालय में आयीं और नाट्यशास्त्र जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपना व्याख्यान दिया। अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. मीरा द्विवेदी का स्वागत करते हुए संस्कृत विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दिलीप कुमार झा ने कहा कि मैम का नाट्यशास्त्र पर बहुत ही गंभीर अध्ययन है। पिछले वर्ष नाट्यशास्त्र पर एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय पुस्तक 'संस्कृत नाट्य : अभिनय एवं पटकथा लेखन' नाम से प्रकाशित हुई है, जो छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है और आज के व्याख्यान से भी छात्र अत्यधिक लाभान्वित हुए होंगे ऐसी आशा करता हूँ।

संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत–समवाय के तत्वावधान में 27 फरवरी 2020 को संस्कृत गद्यवाचन, पद्यगायन एवं प्रश्नमञ्च प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.ए. ऑनर्स एवं बी.ए. प्रोग्राम के छात्रों के साथ–साथ अन्य विभागों के छात्रों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मंगलाचरण से हुआ, जिसको सौरभ और पीयूष ने किया। तदुपरान्त संस्कृत विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दिलीप कुमार झा ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता से विषय को समझने में सहूलियत होती है। गद्यवाचन से उच्चारण में शुद्धता आती है और भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से भी संस्कृत साहित्य में प्रश्नमञ्च प्रतियोगिता उपयोगी होगी। इस अवसर पर विभाग के अध्यक्ष डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा ने कहा कि मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि इतने सारे छात्रों ने इसमें भाग लिया। बी. ए. प्रोग्राम के छात्रों के प्रदर्शन से मैं अत्यधिक प्रसन्न हूँ। कई छात्रों के प्रदर्शन ने मुझे चौंकाया भी, मैं उनको शुभकामनाएँ देता हूँ, तथा यह भी कहता हूँ कि दो श्लोक या दो गद्यांश का पाठ नियमित रूप से करें और अगर कहीं कोई असुविधा हो तो अपने शिक्षकों से सहयोग भी ले सकते हैं।

DEPARTMENTAL WEBINAR

DEPARTMENT OF ENGLISH

During the lockdown, the Dept of English conducted a webinar on Stress Management, on 14th April, 2020. Guest Speaker was Ms Himanshi Khanna, Visiting Psychologist, PGDAV College. It was attended by students and faculty members of the English Dept. Ms Khanna addressed issues such as depression, low self esteem, mental and emotional abuse, claustrophobia, negative emotions, relationships, time management etc.

DEPARTMENT OF SANSKRIT

संस्कृत विभाग
वेबिनार रिपोर्ट
संस्कृत-समवाय

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की अकादमिक समिति "**संस्कृत-समवाय**" के द्वारा "**वर्तमान सन्दर्भ में संस्कृत का पठन-पाठन एवं परीक्षा की तैयारी**" इस विषय पर 28 अप्रैल 2020 को एक वेबिनार आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश चन्द्र भारद्वाज ने कहा कि आज के नए अन्तरराष्ट्रीय परिदृश्य में साइंस टेक्नोलॉजी के माध्यम से ही आगे बढ़ा जा सकता है। हम सबको अपना जीवन समृद्ध बनाने के लिए नए रास्ते बनाने ही पड़ेंगे। कोरोना की त्रासदी के बाद स्थिति ऐसी बनने वाली है जिसमें कमजोर वर्ग कष्ट पाएंगे। विश्वविद्यालय में संस्कृत जैसे विषयों के समक्ष चुनौतियाँ आने वाली है। अब भविष्य की दृष्टि से प्लानिंग करनी पड़ेगी। क्योंकि आने वाली परिस्थितियाँ सुविधा सम्पन्न विभाग के लिए होंगी। समाज और सरकार का ध्यान भाषा, साहित्य और दर्शन के क्षेत्र में कम होगा, भूमिका संकुचित कर दी जाएगी, इसलिए अपने आप को समाज में कैसे उपयोगी होना है यह सोचना पड़ेगा। संस्कृत में गुरु-शिष्य आमने सामने बैठकर ही अध्ययन अध्यापन करते हैं क्योंकि हमारा शास्त्र टेक्स्ट बेस हैं।

प्रो. भारद्वाज ने आगे कहा कि मार्च में हम सबको अचानक कक्षा बंद करना पड़ा जबकि उस समय पढ़ाई पूरे जोर-शोर से चल रही थी। फिर लॉकडाउन में हम लोगों ने अध्ययन-अध्यापन के लिए ऑनलाइन माध्यम अपनाया। संस्कृत-समवाय द्वारा यह वेबिनार मुख्यरूप से छात्रों के लिए था जिसमें सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रो. रमेश भारद्वाज ने कहा कि मैं लॉकडाउन को अच्छा मानता हूँ।शास्त्रों में कहा गया है- **शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्।** इसमें शरीर और स्वास्थ्य का ध्यान कर सकते हैं। दिनचर्या को निश्चित कर सकते हैं, स्वाध्याय के माध्यम से पढ़ सकते हैं, अपने प्राध्यापकों से पूछ सकते हैं। हम सबका उद्देश्य ऐसा होना चाहिए कि साइंस टेक्नोलॉजी के माध्यम से समाज को उपकृत करें,क्योंकि उसी शास्त्रों ने हजारों सालों से समाज को एक दृष्टि दी है, परन्तु 70-80 साल से पाश्चात्य विकास मॉडल ने मानवीय सम्बन्धों से लेकर पर्यावरण तक को चुनौती दे रहा था जो कोरोना की विषम परिस्थिति में टूट-टूट कर विखंडित हो रहा है। अब संस्कृत के विद्यार्थियों के पास एक बड़ा अवसर है,जो अपनी परम्परागत ज्ञान से मानवता का मार्गदर्शन कर सकता है।

इस अवसर पर संस्कृत विभाग के प्रभारी डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा ने कहा कि साइंस टेक्नोलॉजी के नए युग में आयोजित इस वेबिनार से हमारे छात्र बहुत ज्यादा लाभान्वित हुए हैं, परीक्षा को लेकर छात्रों के मन में बहुत ज्यादा शंका थी जिसका समाधान आज सर ने कर दिया है। इस वेबिनार का समापन धन्यवाद ज्ञापन से हुआ जो कि संस्कृत विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दिलीप कुमार झा ने किया। डॉ. दिलीप झा ने कहा कि भारद्वाज सर का बहुत बहुत आभार जिन्होंने हमारे छात्रों को जूम एप के माध्यम से मार्गदर्शन एवं शंका समाधान किया। संस्कृत का विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यमों का ज्यादा अभ्यस्त नहीं है लेकिन यह माध्यम समय की जरूरत है। इस अवसर पर संस्कृत विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

DEPARTMENT OF STATISTICS

Department of Statistics organized a webinar on 'Statistical Data Analysis: From Heuristics to Analytics 'on 15 April,2020 .The webinar was conducted by Dr. Debasree Goswami, Associate Professor, Department Of Statistics , Hindu College ,University of Delhi. He gave a very informative lecture on Big data and various statistical methods used for handling such data. It was a very interactive session with nearly 60 participants including our faculty members and students of B.Sc (H) Statistics. The session was highly appreciated .We owe the success of our webinar to Principal sir and all the participants.